सौभाग्य सुंदरी व्रत कथा

एक पौराणिक कथा के अनुसार एक बार देवी सती अपने पिता के वचनों से चिढ़कर और भगवान शिव का अपमान सुनकर अपनी देह त्याग दी थी। देह त्यागते समय उन्होंने अपने पिता से वादा किया था कि वह हर जन्म में भगवान शिव की पत्नी के रूप में ही आएंगी। इसके बाद उन्होंने अपना अगला जन्म माता पार्वती के रूप में लिया।

इस जन्म में माता पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या की थी। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार किया था। तभी से सौभाग्य सुंदरी व्रत की परंपरा चली आ रही है।

pdfinbox.com